सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 263 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 30 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

एक बड़े पहाड़ पर चढ़ने के बाद यही पता चलता है कि अभी ऐसे कई पहाड़ चढ़ने के लिए बाकी हैं।

-नेल्सन मंडेला

भारत ने न्यूजीलैंड से जीती 2-1 से... 7 | नई सीटों के साथ होगा अगला... 3 | 2027 होगा सबसे अच्छा, बनायेंगे... 2

अखिलेश ने बढ़ाई सीएम योगी की धड़कनें, कहा

सभी सीटों पर जीतेगी सपा

» यूपी में बीजेपी के हालत ठीक नहीं!

» अगर ऐसा हुआ तो योगी के सामने होगा संकट

13 दिन बाद उत्तर प्रदेश में उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में न तो राजनीतिक स्थितियां बदली है और न ही हालात! ऐसे में उपचुनाव में सभी सीटों पर जीत का दवा करने वाले यूपी के मुखिया सीएम योगी के सामने एक आग का दरिया है और उसमें तैर कर जाने वाले हालत है। क्योंकि मिल्कीपुर को छोड़कर जिन सीटों पर चुनाव हो रहे हैं उनमें पांच सीटें सीसामऊ, कटेहरी, करहल, मिल्कीपुर और कुंदरकी सपा के पास थीं। जबकि फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां और खैर भाजपा के पास थी।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनौती देते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर हो रहे उपचुनाव में अगर बेईमानी नहीं हुई और निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से चुनाव हुआ तो समाजवादी पार्टी सभी सीटें जीतेगी और भाजपा सभी सीटें हार जाएगी। अब बड़ा सवाल यही है कि लोकसभा चुनाव में कह कर बीजेपी को हराने वाले अखिलेश यादव की यह बात सच साबित हुई तो फिर यूपी में बीजेपी अपने मुख्यमंत्री का चेहरा बदल देगी। ठीक वैसे ही जैसे उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान में किया। सूत्रों की माने तो यूपी के सीएम योगी पर दोहरा दबाव है। पहला दबाव एनडीए के सहयागी दलों का है जिसमें ओमप्रकाश राजभर, संजय निषाद और अनुप्रिया पटेल है। और दूसरा दबाव यूपी उपचुनाव का है। क्योंकि उन्हें साफ संकेत दे दिये गये हैं कि यदि उपचुनाव में बीजेपी हारती है तो फिर उनके सामने संकट है। इसलिए यूपी उपचुनाव में आलाकमान ने सीएम योगी को फ्रीहैंड दिया है। वह जिसको चाहे, जहां से चाहे, जैसे चाहे लड़ाये। पालिटिक्ल एनालिस्ट डीके त्रिपाठी कहते हैं कि सीएम योगी के नारे कटेंगे तो बटेंगे को भी आरएसएस ने इसीलिए ओके कर दिया कि वह जैसे चाहे चुनाव लड़े। जिन नारों पर चाहे चुनाव लड़े बस जीत चाहिए। अगर जीत नहीं होगी तो फिर सीएम योगी के लिए संकट है।

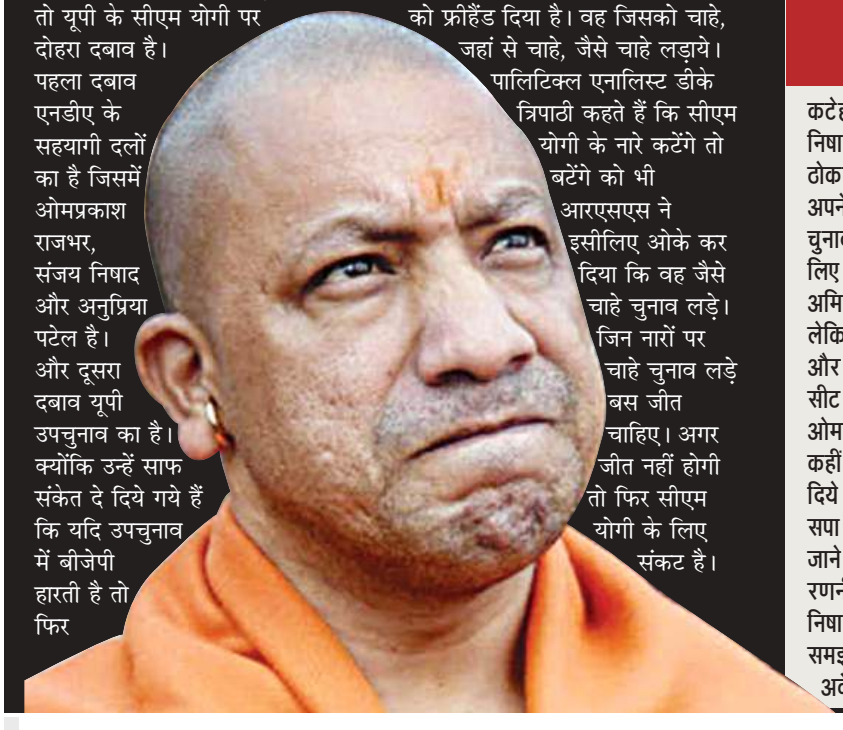

यूपी के नतीजों ने किया कमजोर

लोकसभा चुनाव में पूरे देश में यूपी को छोड़कर बीजेपी का परचम लहराया। यूपी में बीजेपी को हार का समाना करना पड़ा। बीजेपी केन्द्र में पूर्व की तरह सशक्त सरकार बनाना चाहती थी। ताकि जिन मुद्दों को पीएम मोदी क्लियर करना चाहते थे वह ठीक वैसे ही हो जैसे कश्मीर में धारा 370 को हटाया था। लेकिन इस बार वैसा नहीं हो पा रहा है। वक्फ संशोधन बिल पर भी जेपीसी बिठनी पड़ी?

इस कारण हो रहा है उपचुनाव

- करहल सीट सपा प्रमुख अखिलेश यादव के कन्नौज से सांसद चुने जाने के कारण खाली हुई।
- कटेहरी (अंबेडकर नगर) सीट पार्टी के लालजी वर्मा के अंबेडकर नगर लोकसभा सीट से चुने जाने के कारण खाली हुई है।
- मिर्जापुर की मझवां सीट बीजेपी के विनोद कुमार बिंद के भदोही से लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई है।
- भाजपा के अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान बाल्मीकि ने हाथरस लोकसभा सीट से चुने जाने के बाद अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया है।
- भाजपा के प्रवीण पटेल ने फूलपुर लोकसभा सीट से चुने जाने के बाद प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।
- सपा नेता जिया उर रहमान बर्क की मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट उनके संभल से लोकसभा में चुने जाने के कारण खाली हुई है।
- राष्ट्रीय लोकदल के चंदन चौहान ने बिजनौर से लोकसभा में चुने जाने के बाद मुजफ्फरनगर की मीरापुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

कहीं टफ टास्क न साबित हो यह चुनाव

कटेहरी और मझांवा सीट पर निषाद पार्टी ने अपना दावा ठोका था और कहा था कि वह अपने सिंबल पर इन सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। इसके लिए संजय निषाद गृहमंत्री अमित शाह से भी मिले थे। लेकिन उनकी दाल नहीं गली और सिंबल तो छोड़िये उन्हें सीट तक नहीं मिली। वहीं ओमप्रकाश राजभर के भी कहीं-कहीं सुर बदलते सुनाई दिये हैं। ऐसे में कांग्रेस को भी सपा द्वारा कोई सीट न दिये जाने के बाद ही बीजेपी ने अपनी रणनीति बदली और संजय निषाद को भी यही कह कर समझाया गया कि यह चुनाव अकेले पर अकेले वाला चुनाव है। इस चुनाव में जीत-हार के मायने बहुत दूर तक जायेंगे। यह चुनाव सीएम योगी के नाक का सवाल बन गया है। क्योंकि उपचुनाव होते ही सरकार के हैं। राज्य कोई भी हो उपचुनाव में ज्यादातर जिसकी सरकार होती है उसके प्रत्याशी जीतते हैं। जब सपा की यूपी में सरकार थी तो अखिलेश यादव की पार्टी ने सहारनुपर सीट छोड़ कर शेष सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी। ऐसे में सपा की तैयारियां, पीडीए का मुद्दा और एनडीए घटक दलों के भीतर आपसी खीचातान के कारण सीएम योगी के सामने उपचुनाव में जीत दर्ज करना कहीं टफ टास्क न बन जाएं।

टर्निंग प्वाइंट साबित होंगे उपचुनाव के नतीजे

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव के लिए शुक्रवार को 78 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया, जिससे नौ सीटों पर उम्मीदवारों की कुल संख्या 149 हो गई। चुनाव आयोग (ईसी) के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच 28 अक्टूबर को हुई और उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 30 अक्टूबर यानि आज है। 13 नवम्बर को वोड डाले जाएंगे और 23 नवम्बर को नतीजे आयेंगे। उप-चुनाव के नतीजे यूपी की राजनीति के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित होगे। इस चुनाव के नतीजे बतायेंगे कि यूपी का वोटर अभी भी पीडीए फार्मूले के साथ है या फिर उसे कटेंगे तो बटेंगे अच्छा लगा। मायावती का किरदार भी अहम साबित होगा कि उन्होंने इन चुनाव में क्या किया? कांग्रेस ने यूपी में सभी सीटे देकर अपने लिए महाराट्र की पिच को ठीक करने का काम किया है। क्योंकि वहां सपा पांच सीटे किसी भी कीमत पर मांग रही है। अबू आसिम ने तो वहां प्रत्याशी भी उतार दिये हैं। औवैसी की पार्टी महाराष्ट्र की 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

2027 होगा सबसे अच्छा, बनायेंगे प्रचंड बहुमत की सरकार : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- समाजवादियों की देन है यूपी का इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास

» भाजपा की नकारात्मक राजनीति अब कभी नहीं होगी कामयाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि 2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी का अब तक का सबसे अच्छा चुनाव होगा और प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। उत्तर प्रदेश में आज जो भी इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास दिखाई दे रहा है वह समाजवादियों ने किया है। जनता सब जानती है। नई पीढ़ी प्रोग्रेसिव, डेवलपमेंट और पॉजिटिव राजनीति चाहती है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति अब कभी कामयाब नहीं होगी। लोग जान गए हैं कि भाजपा धोखा देती है। झूठ बोलती है। भाजपा नकारात्मक राजनीति करने वाली पार्टी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं से दंगा और बवाल कराती है फिर उनके खिलाफ एफआईआर लिखवाकर भाजपा उन्हें फंसा देती है। बहराइच का दंगा इसका उदाहरण है। बहराइच के दंगे में उसके विधायक ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर एफआईआर कराया। भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। पुलिस हिरासत में मौतें हो रही है। इन हत्याओं में पुलिस शामिल है। थानों को अत्याचार गृह बना दिया गया है।

सरकार के पास अपना परमानेंट डीजीपी भी नहीं

अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ में मोहित पाण्डेय को पीट-पीटकर थाने में मार दिया गया। उसे पानी तक नहीं दिया। इससे पहले अमन गौतम की थाने में पिटाई से मौत हुई। सुल्तानपुर मामले में मंगेश यादव की पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर में हत्या की। फिर उसे बैलेंस करने के लिए एक और हत्या कर दिया। पुलिस हिरासत में मौतों और फर्जी एनकाउंटर पर सरकार चुप क्यों है? जिस प्रदेश के पास अपना परमानेंट डीजीपी न हो वहां कानून व्यवस्था कैसे संभाल सकती है? जीरो टॉलरेंस की बात करने वाली भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था जीरो है। भाजपा बचाने वाली पार्टी नहीं, फंसाने वाली पार्टी है।

सपा लगातार कर रही जातीय जनगणना की मांग

श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी लगातार जातीय जनगणना की मांग कर रही है। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना कराने की मांग हमेशा से करती आ रही है। जातीय जनगणना देश के लिए बड़ा काम है। इससे सभी जातियों को सामाजिक न्याय मिलेगा। संविधान में आरक्षण जातीय आधार पर है। सभी को सामाजिक न्याय मिले इसके लिए जातीय जनगणना जरूरी है। जो लोग जातीय जनगणना के खिलाफ हैं, उन्हें मंडल कमीशन की प्रस्तावना पढ़नी चाहिए। उसके बाद उनकी सोच बदल जायेगी। हमें भरोसा है कि आने वाले समय में जातीय जनगणना जरूर होगी।

भाजपा बेईमानी से जीतती है चुनाव

अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बेईमानी से चुनाव जीतती है। लोकसभा चुनाव में अगर भाजपा ने बेईमानी नहीं की होती तो इंडिया गठबंधन 50 से ज्यादा सीटें जीतता। भाजपा सरकार ने लोकसभा चुनाव में अधिकारियों पर दबाव बनाकर फर्रूखाबाद, फूलपुर, अलीगढ़ समेत कई अन्य सीटों पर परिणाम बदलवा दिया था। फर्रूखाबाद में तो रात भर पुलिस लाठीचार्ज करती रही। डीएम ने बिजली कटवायी। वहां परिणाम बदला गया। सभी लोग यह जानते हैं।

जर्रार खां सपा अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव नामित

लखनऊ। समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मोहम्मद इकबाल खां कादरी ने जर्रार खां पुत्र स्व. रियातुल्ला खां को समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव नामित किया गया है।

मोदी सरकार ने की वायनाड में पुनर्वास कार्यों की उपेक्षा : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस महासचिव ने कहा- मोदी सरकार की नीतियों से उनके कुछ व्यापारी मित्रों को ही लाभ पहुंचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। वायनाड लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने केंद्र सरकार पर भूस्खलन से प्रभावित वायनाड के पुनर्वास के लिए न देने का आरोप लगाया। प्रियंका गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार का यह रुख लोगों और राष्ट्र के प्रति सम्मान की कमी को दिखाता है। केंद्र सरकार की 10 साल के शासन के दौरान बनाई गई नीतियों से यह स्पष्ट है।

वायनाड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान एक बैठक में प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी सरकार की नोटबंदी समेत अन्य नीतियों से केवल उनके पांच-छह व्यापारी मित्रों को लाभ पहुंचा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वायनाड आए और यहां पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लोगों से मिले और हर तरह की मदद का वादा किया। इसके कई महीने बाद भी केंद्र सरकार ने आपदा से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए कोई धनराशि नहीं दी। केंद्र सरकार की किसानों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि देशभर में आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। सरकार जनता की जरूरतों को पूरा करने के बजाय बड़े कारपोरेट्स को जमीन का आवंटन कर रही है। मोदी सरकार ने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक क्षेत्रों की भी उपेक्षा की है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मोदी सरकार भारत के लोगों का अनादर कर रही है। आज देश की राजनीति में केवल सत्ता मायने रखती है। यहां लोग मायने नहीं रखते।

मेरा परिवार वायनाड के लोगों का ऋणी

प्रियंका गांधी ने कहा कि वह और उनका परिवार वायनाड के लोगों का ऋणी है। वायनाड के लोगों ने उनके भाई का ऐसे वक्त में साथ दिया जब उनकी छवि खराब करने का अभियान चलाया जा रहा था। वायनाड के लोगों और राहुल गांधी के बीच प्यार, विश्वास और वफादारी का बंधन है। वायनाड राहुल के दिल में एक विशेष स्थान रखता है। जब उन्हें निर्वाचन क्षेत्र छोड़ना पड़ा तो उन्हें बहुत दुख हुआ। प्रियंका गांधी ने लोगों से वादा किया कि कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन वह संसद में वायनाड की समस्याओं को उठाएंगीं।

वायनाड की प्रगति के लिए रहूंगी समर्पित

प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि वायनाड हमेशा हमारे मूल्य सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और न्याय के लिए खड़ा रहा है। यह मूल्य हमारे संविधान को प्रिय हैं। मैं इन आदर्शों को बनाए रखने और वायनाड की प्रगति और भलाई के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित करने का वादा करती हूं। वायनाड में 13 नवंबर को उपचुनाव होगा।

अभिजीत गंगोपाध्याय मेरे परिवार को दे रहे थे गाली : कल्याण बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वक्फ बिल को लेकर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में हाल ही में तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी और भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच झड़प की खबर सामने आई थी। इस झड़प में बनर्जी चोटिल हो गए थे। अब इस पूरे मामले पर टीएमसी नेता ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि गंगोपाध्याय मेरे परिवारवालों को गाली दे रहे थे, मगर उस समय जेपीसी के अध्यक्ष वहां नहीं थे।

बनर्जी ने कहा, मैं नियमों और विनियमों का बहुत सम्मान करता हूं। दुर्भाग्य से, अभिजीत गंगोपाध्याय ने नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रेस के सामने मेरे खिलाफ कुछ आरोप लगाए थे। उस दिन सबसे पहले नसीर और अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच तीखी बहस हुई। उस समय मैंने पूछा कि आखिर वह (अभिजीत गंगोपाध्याय) चिला क्यों रहे हैं। फिर उन्होंने मुझे, मेरी मां, मेरे पिता और मेरी पत्नी को गाली देना शुरू कर दिया।

टिकट न मिलने से नाराज विधायक ने सीएम शिंदे को सुनाई खरी-खोटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर से शिवसेना के मौजूदा विधायक श्रीनिवास वनगा पार्टी द्वारा टिकट नहीं दिए जाने से नाराज हैं। उनका कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का साथ देकर और उनकी पार्टी में शामिल होकर भारी गलती की है।

दरअसल, भाजपा के दिवंगत सांसद चिंतामन वनगा के बेटे श्रीनिवास पालघर (अनुसूचित जनजाति) सीट से अविभाजित शिवसेना के उम्मीदवार के रूप में 2019 का विधानसभा चुनाव जीतने के बाद विधायक बने थे। शिवसेना में विभाजन के बाद वनगा ने शिंदे का समर्थन किया। वह पार्टी द्वारा सीट से फिर से नामांकित होने की उम्मीद कर रहे थे।

हालांकि, पार्टी ने रविवार को 20 उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें पालघर सीट से राजेंद्र गावित को उम्मीदवारी दी। बता दें, गावित ने जून 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने पर शिंदे का पक्ष लिया था। गावित को पालघर की सीट से उतारे जाने पर वनगा सीएम शिंदे से नाराज हैं। उन्होंने कहा, मैंने शिंदे के नेतृत्व वाले गुट में शामिल होकर एक गंभीर गलती की है। इतना ही नहीं उन्होंने शिंदे के प्रतिद्वंद्वी और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को देव मानुस (ईश्वर के समान व्यक्ति) बताया। कहा कि उद्धव ठाकरे जैसे भगवान स्वरूप आदमी को छोड़ना उनके परिवार की सबसे बड़ी गलती थी।

पत्नी का दावा-आत्महत्या करने को कह रहे विधायक

श्रीनिवास का आरोप है कि शिंदे ने उन्हें धोखा दिया है। बगावत के वक्त साथ देने वाले 40 में से 39 विधायकों को दोबारा टिकट दिया गया है लेकिन उन्हें ही टिकट नहीं दिया गया। श्रीनिवास के परिवारवालों का कहना है कि वह डिप्रेशन में चले गए हैं। रविवार से खाना नहीं खाया है और लगातार रो रहे हैं। वह आत्महत्या करने की बात कह रहे हैं। जब मुख्यमंत्री को वनगा के हालत के बारे में पता चला तो उन्होंने उनकी पत्नी से बातचीत की। साथ ही आश्वासन दिया कि उनके पति को महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य के रूप में भूमिका देने पर विचार किया जाएगा।

कूड़े का ढेर देख आप सरकार पर भड़कीं स्वाति मालीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने एक बार फिर दिल्ली सरकार को घेरा है। उन्होंने दिल्ली के जनकपुरी इलाके का औचक निरीक्षण किया। यहां कूड़े का ढेर देख स्वाति मालीवाल भड़क गईं। उन्होंने आप सरकार पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि लाखों लोग यहां गंदगी में रहने को मजबूर हैं। क्या बुरा हाल कर रखा है। कभी अपने महल से बाहर निकलकर झांको।

स्वाति मालीवाल जनकपुरी में अचानक व्यवस्थाओं का जायदा लेने पहुंची। यहां पर लगे कूड़े के ढेर को को देख स्वाति मालीवाल भड़क गई। जिसके बाद वे दिल्ली सरकार पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि जो खुद की तुलना भगवान श्री कृष्ण से करते हैं उनके राज में गाय प्लास्टिक और कूड़ा खा रही है।

अगले साल से शुरू होगी जनगणना

नई सीटों के साथ होगा अगला लोकसभा चुनाव!

- जनगणना के तुरंत बाद हो सकता है परिसीमन
- केंद्र सरकार कराएगी जनगणना
- कास्ट सेंसस कराने को लेकर सरकार ने मांगे सुझाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। काफी विलंब के बाद दशकीय जनगणना कवायद और राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (एनपीआर) को अद्यतन करने का काम 2025 की शुरुआत में प्रारंभ होने की संभावना है और इसके आंकड़े 2026 तक घोषित किए जाएंगे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस कवायद के बाद भविष्य का जनगणना चक्र पूरी तरह बदल जाएगा। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है कि सामान्य जनगणना के साथ-साथ जाति आधारित जनगणना भी की जाएगी या नहीं।

वहीं 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियों ने जातीय जनगणना का मुद्दा उठाया था। कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन ने वादा किया था कि उनकी सरकार आने पर कास्ट सेंसस कराया जाएगा। अब केंद्र की मोदी सरकार ने इस पर अहम फैसला लिया है। सरकार जातीय जनगणना नहीं बल्कि अगले साल बहुप्रतीक्षित जनगणना कराने जा रही है। 2026 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रक्रिया में जातिगत गणना को शामिल किया जाए या नहीं, इस पर सुझाव मांगे जा रहे हैं। जनगणना के बाद, सरकार चुनाव क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के लिए परिसीमन की प्रक्रिया शुरू करेगी। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। ये दोनों प्रक्रियाएं जनगणना से जुड़ी हुई हैं। 2002 में, अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली तत्कालीन NDA सरकार ने 84वें संशोधन के माध्यम से परिसीमन को 25 साल के लिए स्थगित कर दिया था। उस समय कहा गया था कि यह 2026 के बाद की पहली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े सामने आने के बाद ही किया जाएगा। इसका मतलब था कि परिसीमन 2031 की जनगणना के बाद किया जाएगा।

सेंसस और परिसीमन पर सरकार की खास तैयारी

हालांकि, सूत्रों के अनुसार, सरकार अब 2027 तक परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने और एक साल के भीतर इसे खत्म करने की योजना बना रही है। जिससे अगले यानी 2029 के लोकसभा चुनाव, परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयक लागू होने के बाद हो सकें। हाल ही में, भारत के महारजिस्ट्रार और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल इस दिसंबर से आगे अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया था। हालांकि, विभिन्न वर्गों की ओर से मांग की जा रही कि कास्ट सेंसस को जनगणना में शामिल किया जाए।

2026 तक पूरा करने का लक्ष्य

दक्षिण की सरकारों ने सार्वजनिक रूप से चिंता को उठाया

दक्षिण की विभिन्न राज्य सरकारों ने सार्वजनिक रूप से इस चिंता को उठाया है। इसमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और एनडीए की प्रमुख सहयोगी TDP के मुखिया चंद्रबाबू नायडू का भी नाम शामिल हैं। उन्होंने राज्य के लोगों से आबादी के प्रभाव का जिक्र किया, इसके साथ ही अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इस मामले में सरकार के सूत्रों ने कहा कि वे इस चिंता से अवगत हैं और कोई भी उपाय जो दक्षिणी राज्यों को नुकसान पहुंचा सकता है, उससे बचा जाएगा।

> विपक्षी दल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) उन राजनीतिक दलों में शामिल हैं जो जाति आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं ताकि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल आबादी का पता चल सके.

जातीय जनगणना पर संघ ने क्या कहा

आरएसएस ने भी जातिगत जनगणना के विचार का समर्थन किया है। संघ ने कहा कि सही संख्या प्राप्त करना एक सुस्थापित प्रैक्टिस है। हालांकि, एक सूत्र ने बताया कि इसे कैसे किया जाए, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है। अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और धर्म की मौजूदा गणना में ओबीसी श्रेणी को जोड़ने, इसमें सामान्य, एससी-एसटी श्रेणियों में उप-वर्गों के सर्वे को शामिल करने जैसे सुझाव हैं। परिसीमन की अपनी समस्याएं होंगी, क्योंकि दक्षिण के राज्य, संसद में अपने राजनीतिक हिस्से पर प्रभाव को लेकर चिंतित है। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर में अधिक आबादी वाले राज्यों के कारण वहां अनुपातहीन संख्या में सीटें होंगी।

उत्तर-दक्षिण के बीच कोई विभाजन न हो : केंद्र

एक वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि परिसीमन प्रक्रिया से उत्तर और दक्षिण के बीच कोई विभाजन नहीं होना चाहिए। हो सकता है कि जनसंख्या-क्षेत्र के फॉर्मूले को ठीक करने या बदलने से मदद मिल सके। सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा होगी और आम सहमति बनेगी। परिसीमन प्रक्रिया के लिए आवश्यक संशोधनों में अनुच्छेद 81 (जो लोकसभा की संरचना को परिभाषित करता है), अनुच्छेद 170 (विधान सभाओं की संरचना), अनुच्छेद 82, अनुच्छेद 55 (राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया से संबंधित है जिसके लिए मूल्य चुनावी कॉलेज में प्रत्येक वोट का फैसला जनसंख्या के आधार पर किया जाता है), अनुच्छेद 330 और 332 (क्रमशः लोकसभा और विधान सभाओं के लिए सीटों के आरक्षण को कवर करना) में परिवर्तन शामिल हैं।

वाराणसी से प्रयागराज का सफर होगा आसान

महाकुंभ 2025 : गंगा पर नया रेलवे ब्रिज बनकर तैयार

- बनारस से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नया रेल पुल
- 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के कुंभ नगरी पहुंचने का अनुमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने जा रहे महाकुंभ मेला में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के कुंभ नगरी पहुंचने का अनुमान है। प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र सरकार भी इस आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आवागमन के लिए दिन-रात तैयारियां कर रही हैं।

रेल मार्ग से वाराणसी से प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगा नदी पर बनकर तैयार हो रहा नया रेलवे सेतु आगंतुकों का सफर आसान करेगा। महाकुंभ 2025 में सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के सड़क परिवहन से कुंभ नगरी पहुंचने का अनुमान है। सड़क परिवहन के बाद सबसे अधिक लोग रेल मार्ग से ही प्रयागराज पहुचेंगे। इस बार लगभग 10 करोड़ लोगों के ट्रेन के जरिये महाकुंभ पहुचंने का अनुमान है। रेलवे की तरफ से भी इसे लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। एक तरफ जहां रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ रेल मार्ग में सेतुओं का निर्माण कर भीड़ का दबाव कम करने का प्रयास हो रहा है।

दारागंज से झूंसी के बीच नया रेल पुल

वाराणसी से प्रयागराज के बीच रेल मार्ग को सुगम बनाने के लिए दारागंज से झूंसी के बीच नए रेल पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। बस पुल में रेलवे ट्रैक बिछाने और गिट्टी डालने का कार्य शेष है। रेल विकास निगम लिमिटेड इसका निर्माण कर रहा है। प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल के मुताबिक, 495 करोड़ की लागत से इस पुल का निर्माण हुआ है जो दिसम्बर तक रेल परिवहन के लिए खोल दिया जाएगा।

डबल ट्रैक वाला रेल पुल

प्रयागराज रामबाग-वाराणसी रेल मार्ग में गंगा नदी पर अभी तक केवल एक ही रेल पुल था, जिसमें सिंगल ट्रैक होने की वजह से झूंसी और राम बाग रेलवे स्टेशन में ट्रेन को देर तक रोकना पड़ता था। लेकिन अब इस 2,700 मीटर लंबे नए रेल पुल के बन जाने से रेल यात्रियों को इंतजार नहीं करना होगा क्योंकि यह डबल ट्रैक वाला रेल पुल है।

रेलवे स्टेशन में होल्डिंग एरिया

प्रोजेक्ट डायरेक्टर विनय अग्रवाल बताते हैं कि कुंभ के प्रमुख पर्वों के दौरान वाराणसी मार्ग से आने वाले रेल यात्रियों को झूंसी स्टेशन में ही उतारकर कुंभ क्षेत्र ले जाने की योजना पर राज्य सरकार से विचार चल रहा है। इसके अलावा रेलवे स्टेशन में होल्डिंग एरिया का भी निर्माण हो रहा है। लेकिन सामान्य दिनों में ट्रेनों के अप और डाउन में इस नए रेल पुल का बड़ा योगदान होगा। इससे स्टेशनों पर यात्रियों का दबाव कम होगा और समय की बचत होगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रभाव और किस हद तक ले जाएगा!

भारत में भूमंडलीकरण के अंतर्गत कई विदेशी कंपनियों द्वारा मोटर गाडिय़ों, सूचना प्रौद्योगिकी, इलैक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में उत्पादन इकाइया लगाई गई हैं। इससे भी बढ़कर कई उपभोक्ता वस्तुओं विशेषत: इलैक्ट्रानिक्स उद्योग में जैसे रेडियो, टेलीविजन और अन्य घरेलू उपकरणों की कीमतें घटी हैं। जिसकी वजह से भूमंडलीकरण एवं बाजारवाद ने आज के युग में हर परिवार की जीवनशैली पर बड़ी तेजी से असर डालना शुरू कर दिया है। पहले हर प्रांत की, हर देश की एक विशिष्ट वेशभूषा, संस्कृति और एक खास तरह का खान-पान होता था, लेकिन अब सबकी वेशभूषा, खान-पान, तीज-त्यौहार सब एक जैसे होते जा रहे हैं। इसका श्रेय भूमंडलीकरण को ही जाता है। देश-विदेश की फिल्में, टीवी धारावाहिक और तेजी से पैर पसारते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भूमंडलीकरण को विस्तार देने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। पश्चिमी देशों के खानपान इत्यादि भारत में भी हर शहर के हर क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय हैं। वहीं इन सब चीजों को देखा जाए तो भारत के गांव भी अछूते नहीं रह गए हैं।

वैसे ही भारत के छोले-भटूरे, समोसे जलेबी, इडली-डोसा, ढोकला थेपले, आलू-टिक्की, दही-बड़ा भी विदेशों में बहुत लोकप्रिय हो चुके हैं। इसी तरह अब युवा लड़के-लड़कियों ने विदेशी वेशभूषा को अपना लिया है। ऐसे में आप किसी भी पर्यटन स्थल पर जाइए अधिकतर युवा लड़के-लड़कियां एक ही तरह की कटी-फटी जींस, एक ही तरह के ढीले-ढाले टॉप और आंखों पर बड़े साइज के विभिन्न रंगों के गॉगल्स चढ़ाए हुए नजर आ जाएंगे। वहीं दूसरी तरफ साहित्य भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं रह गया है। अब भाषा पर भी इसका प्रभाव दिखने लगा है। आज की पीढ़ी अंग्रेजी की पुस्तकें पढ़ना अधिक पसंद करती है। हिन्दी का कोई उपन्यास अगर पढ़ना चाहें भी तो वे उसका अंग्रेजी में अनूदित वर्जन ही पढ़ना चाहेंगे। यहां तक कि बच्चों के लिए भी अगर कॉमिक्स खरीदना हों तो वे अमरचित्र कथा, पंचतंत्र या जातक कथाओं के कॉमिक्स भी अंग्रेजी भाषा में अनूदित ही खरीदते हैं क्योंकि बच्चे ढाई-तीन साल की उम्र से ही अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं। अंग्रेजी का वर्चस्व इतना अधिक बढ़ गया है कि बेस्ट सेलर्स के पास भी अंग्रेजी के उपन्यास अधिक होते हैं। आपको बता दें कि यह सब भूमंडलीकरण का ही प्रभाव है। ऐसे में अब देखना होगा कि यह प्रभाव और किस हद तक ले जाता है। एक स्तर तक तो ऐसा प्रभाव बहुत अच्छा है, लेकिन कई मामलों में चिंताएं बढ़ती हुईं नजर आ रहीं हैं। यह सब समय के साथ परिवर्तन होता हुआ नजर आ रहा है। यहां तक कि इससे जुड़े मूल्यों में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है।

“ पहले हर प्रांत की, हर देश की एक विशिष्ट वेशभूषा, संस्कृति और एक खास तरह का खान-पान होता था, लेकिन अब सबकी वेशभूषा, खान-पान, तीज-त्यौहार सब एक जैसे होते जा रहे हैं। इसका श्रेय भूमंडलीकरण को ही जाता है। देश-विदेश की फिल्में, टीवी धारावाहिक और तेजी से पैर पसारते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भूमंडलीकरण को विस्तार देने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घटती घरेलू बचत से सरकार भी चिंतित

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों देश में निवेश और निवेशकों के बदलाव का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि घरेलू बचत पर प्रकाशित हो रही नई रिपोर्टों में घरेलू बचत में लगातार कमी आने के विश्लेषण प्रकाशित हो रहे हैं। इन रिपोर्टों में आम आदमी का पहला वित्तीय सहारा कही जाने वाली घरेलू बचत में कमी के स्पष्ट रुझान प्रस्तुत हो रहे हैं। वस्तुत: घरेलू बचत किसी व्यक्ति की आय की वह शेष राशि है, जो उपभोग आवश्यकताओं और विभिन्न वित्तीय देनदारियों के भुगतान के बाद बचती है। इस समय स्थिति यह है कि देश के छोटे-छोटे निवेशक भी घरेलू बचत के वित्तीय उपकरणों में निवेश करने की बजाय शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और सोने की खरीदी के लिए दौड़ लगा रहे हैं। यदि हम घरेलू बचत संबंधी आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जो घरेलू बचत वर्ष 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 18 फीसदी के स्तर पर थी, वह वर्ष प्रतिवर्ष घटते हुए वर्ष 2022-23 में जीडीपी के 5.2 फीसदी स्तर पर आ गई।

अब यह पिछले पांच दशकों में सबसे कम स्तर पर है। स्थिति यह है कि घरेलू बचत में गिरावट सरकार की भी चिंता का कारण बन गई है। राष्ट्रीय लघु बचत प्राप्तियों के लिए इस वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में 14.77 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। लेकिन 23 जुलाई को पेश किए गए चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट में लघु बचतों से प्राप्ति के अनुमान को घटाकर 14.20 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। चूंकि सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए लघु बचत योजनाओं के तहत संग्रह राशि का भी उपयोग करती है अतएव घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा कि बैंकों द्वारा जमा राशि बढ़ाने के लिए ऐसी आकर्षक ब्याज योजना लाई जानी चाहिए, जिससे बैंकों में सेविंग्स की धनराशि में तेज इजाफा हो सके। शताब्दियों से भारत एक ऐसा देश रहा है जहां लोग कमाई का एक हिस्सा भविष्य के लिए घरेलू बचत के रूप में बचाकर रखते रहे हैं। लेकिन अब इस बचत की प्रवृत्ति में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है।

लोगों द्वारा आवास, वाहन, शिक्षा तथा अच्छे आरामदायक जीवन के लिए विभिन्न प्रकार के कर्ज लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जहां परिवारों की वित्तीय देनदारियां बढ़ने से घरेलू बचत सीधे तौर पर कम हुई है, वहीं आय के एक हिस्से का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के ऋणों के ब्याज के

भुगतान के लिए भी किए जाने से घरेलू बचत कम हुई है। यहां यह उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्रालय द्वारा डाकघर लघु बचत योजनाओं की जो ब्याज दरें अक्टूबर-दिसंबर 2024 के लिए घोषित की गई हैं, उनके तहत सार्वजनिक भविष्यनिधि, सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, किसान विकास पत्र, सावधि जमा आदि जैसी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 तक अपरिवर्तित रखा गया है। स्पष्ट है कि ये ब्याज दरें आकर्षक नहीं हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश में बदली हुई आयकर व्यवस्था के कारण भी आयकरदाताओं द्वारा की जाने वाली घरेलू बचत में कमी आ रही है। इस समय देश में आयकर भुगतान की पुरानी और नई दो कर रिजीम हैं। जहां पुरानी कर रिजीम में बचत और निवेश के लिए प्रोत्साहन हैं, वहीं नई कर रिजीम में बचत के वैसे प्रोत्साहन नहीं हैं। नई कर व्यवस्था से बचत व निवेश की जगह उपभोग खर्च बढ़ाने की प्रवृत्ति को अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है। यदि हम इनसाइट स्कूल ऑफ इंट्रिन्सिक कंपाउंडिंग द्वारा ब्लूमबर्ग और कोटक के डेटा के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट 2024 को देखें तो पाते है कि बैंक डिपॉजिट के साथ बीमा की हिस्सेदारी भी घटी है। वर्ष 2014 से 2024 के दशक में देशवासियों की कुल जमा का 58 प्रतिशत हिस्सा एफडी, बचत खाते व चालू खातों के जरिए बैंकों में पहुंचता था। अब यह राशि घटकर 42 प्रतिशत ही रह गई है। इसकी तुलना में म्यूचुअल फंड में निवेश की जाने वाली राशि दोगुनी से ज्यादा हो चुकी है। चूंकि अगले पांच साल स्टॉक में मार्केट दोगुना हो सकता है इसलिए स्टॉक बाजार में निवेश जारी रहेगा और घरेलू बचत बढ़ाना चुनौतीपूर्ण होगा। देश के छलांगें लगाकर बढ़ते हुए शेयर बाजार में भी तेज रिटर्न मिल रहा है। 10 वर्ष पहले जो सेंसेक्स 25 हजार के स्तर पर था, अक्टूबर 2024 में वह 80 हजार के आसपास केंद्रित है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि घरेलू बचत को व्यक्ति की आर्थिक मुश्किलों के बीच सबसे पहला और सबसे विश्वसनीय वित्तीय साथी माना जाता है। ऐसे में घरेलू बचत के घटने की स्थिति चिंताजनक है, लेकिन घरेलू बचत का घटना किसी वित्तीय संकट की आहट नहीं है। रिजर्व बैंक के मुताबिक देश में परिवारों की वित्तीय देनदारियों में वृद्धि के बावजूद, परिवारों की बैलेंसशीट बेहतर बनी हुई है। मार्च 2023 के अंत में परिवारों की वित्तीय संपत्तियां उनकी देनदारियों की तुलना में 2.7 गुना थीं। भारतीय परिवारों का ऋण सेवा बोझ यानी आय के प्रतिशत के रूप में ब्याज का भुगतान मार्च 2021 में 6.9 प्रतिशत से घटकर मार्च 2023 में 6.7 प्रतिशत रह गया, जो वैश्विक स्तर पर भी सराहनीय है।

सिनवार के खात्मे पर भी न थमा गाजा युद्ध

श्याम भाटिया

इस्राइली लोग हमास नेता याह्या सिनवार की मौत का जश्न मना रहे हैं, वह व्यक्ति जिसके बारे में उनका मत है कि 'होलोकॉस्ट' के बाद हुए सबसे भयानक यहूदी नरसंहार के लिए वह जिम्मेदार था, वैसे उन्हें यह भी भाना है कि उसकी मौत का मतलब फलस्तीनियों के साथ झगड़े का अंत नहीं है। सालों से, इस्राइलियों को इस बात की शिकायत रही है कि फलस्तीनी परिवार किसी आतंकवादी हमले में मारे गए प्रत्येक यहूदी की मौत पर खुशी का इजहार सड़कों पर मिठाई बांटकर करते आए हैं। इन जश्नों का उदाहरण देकर निंदा किया करते थे कि कैसे अरबी लोग अपने यहूदी पड़ोसियों के विरुद्ध आतंकवाद और हिंसा का महिमामंडन करते हैं। विडंबना यह है कि आज कई इस्राइली स्वयं उसी तरीके का समर्थन कर रहे हैं जिससे वे कभी नफरत किया करते थे।

पिछले साल अक्टूबर माह में हमास के नेतृत्व में हुए आक्रमण के बाद, जिसके परिणामस्वरूप हजारों लोग मारे गए और घायल हुए, अब जब कभी हमास का कोई बड़ा नेता मारा जाता है तो बड़ी संख्या में इस्राइली भी अपनी खुशी का इजहार करने से खुद को रोक पाना मुश्किल पाते हैं। यह ठीक है कि इस्राइलियों द्वारा मिठाई बांटने और खुश होकर एक-दूसरे को बधाई देने के दृश्य टीवी टॉक शो और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर खूब चले। इसलिए 17 अक्टूबर को कोई आश्चर्य नहीं था, जब तेल अवीव के सबसे बड़े समुद्र तटों में से एक पर, जब एक लाइफगार्ड ने अपने लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर यह खबर सुनाई कि 'कट्टर आतंकवादी याह्या सिनवार को मार गिराया गया है', तो बिकनी पहने तैराक और धूप स्नान करने वालों ने अपनी प्रतिक्रिया ताली बजाकर, जयकारे लगाकर और सीटियां बजाकर व्यक्त की।

एक साल से अधिक समय में पहली बार, पूरा इस्राइल इस किस्म के हर्षोल्लास में डूबा, जो इससे पहले देखा नहीं गया। कुछ इस्राइली तो एक कदम आगे जाते हुए, सिनवार की मौत की तुलना नाजी कमांडर एडोल्फ इचमैन के पकड़े जाने के बाद, उसे फांसी पर चढ़ाये जाने से करने लगे। उसे अर्जेंटीना से अगवा कर इस्राइल लाया गया था, जहां पर 1962 में उस पर मुकदमा चला और मौत की सजा सुनाई गई। कुछ अन्य सिनवार की मौत की तुलना ओसामा बिन लादेन के पकड़े जाने और मार गिराए जाने से करने लगे, जिसका बिना निशानी वाला शव अमेरिकियों ने बीच समुद्र फेंक दिया था। इसलिए, तेल अवीव और यरुशलम में बैठे सरकारी अधिकारियों को सुझाव दिया जा रहा है कि सिनवार का शव भी या तो समुद्र के हवाले किया जाए या किसी अज्ञात स्थान पर जलाकर नष्ट करें। अपनी ओर से, इस्राइली सरकार ने सिनवार का शव गाजा के शहर रफा के उपनगर ताल-अल-सुल्तान से हटाकर एक गुप्त स्थान पर रख दिया है, जब तक कि यह अंतिम निर्णय नहीं हो जाता कि उसके अवशेषों के साथ क्या किया जाए। हालांकि, सिनवार की मौत पर बना खुशी का माहौल 101 इस्राइली बंधकों के भाग्य को लेकर बनी चिंताओं से फीका पड़ गया है, जिनमें से कइयों के बारे में अनुमान है कि वे मर चुके हैं- जिन्हें अभी भी हमास और अन्य फलस्तीनी गुटों ने विभिन्न स्थानों पर अपनी कैद में रखा हुआ है या उन सामान्य, गैर-लड़ाकू परिवारों के साथ, जो किसी यहूदी बंधक को एक संपत्ति के रूप में लेते हैं।

इस्राइली सरकार के घोषित उद्देश्यों में हमेशा से एक रहा है- इन तमाम बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना। इस्राइल और हमास के बीच हुए एक समझौते के तहत पिछले साल के अंत में इस्राइली जेलों में बंद सैकड़ों फलस्तीनियों के बदले 100 से ज्यादा यहूदी बंधकों को छोड़ा गया था। तब से लेकर, केवल मुट्ठी भर बंधकों को ही -जिंदा या मुर्दा- इस्राइली कमांडो ऑपरेशन के जरिए बचाया जा सका है, जिसे इस्राइली लोग 'साहसिक' और 'वीरतापूर्ण' कमांडो ऑपरेशन बताते हैं। सिनवार की मौत की पुष्टि करते वक्त इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधक बनाने वालों को एक दुर्लभ और अभूतपूर्व प्रस्ताव दिया, और कहा 'यह युद्ध कल ही समाप्त हो सकता है यदि हमास अपने हथियार डाल दे और हमारे बंधक लौटा दे और इस्राइल उन सब की सुरक्षा की गारंटी देगा जो हमारे बंधक वापस करेगा'। नेतन्याहू की उक्त पेशकश से पता चलता है कि इस्राइली जनता अपने उन प्रियजनों के भाग्य को लेकर किस कदर निरंतर तड़प रही है, जो गाजा की सुरंगों में कहीं कैद हैं।

उनकी रिहाई के बिना, उस लड़ाई का अंत नहीं हो सकता जो इस्राइल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाला युद्ध बन चुका है। फिर भी, यह उम्मीद कि हमास के बंदीकर्ता नेतन्याहू की पेशकश पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे, पूरी नहीं हो पाई। इससे भी बदतर, सिनवार के डिप्टी खलील अल-हय्या अपने किसी अन्य लड़ाके सहयोगी की तर्ज पर अड़ियल साबित हुए हैं, उन्होंने इस्राइली जनता को एक टेलीविजन संबोधन में कहा, 'जब तक गाजा पट्टी के खिलाफ इस्राइली आक्रमण रुक नहीं जाता, तब तक बंधकों को रिहा नहीं किया जाएगा'। फिलहाल हमास के सबसे बड़े इस नेता की यह घोषणा इस्राइलियों को याद दिलाती है कि सिनवार की मौत के बाद उनका जश्न और उम्मीदें समय से पूर्व हैं। दूसरे शब्दों में, युद्ध जारी रहेगा, और यह खबर दोनों पक्षों के लिए बुरी है। इस्राइल गाजा के दलदल में और भी गहराई तक डूबता चला जाएगा और फलस्तीनी नागरिकों को उस मौत और विनाश का सामना करना पड़ेगा, जिसमें मृतकों की संख्या 40,000 से अधिक हो चुकी है।

दिवाली ऐसे करें लक्ष्मी-गणेश की पूजा

दिवाली हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन पूरा देश दीये को रोशनी से जगमगा उठता है। दिवाली को सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी अपने भक्तों के घर पर पधारती हैं और उन्हें धन-धान्य का आशीर्वाद देती हैं। यही वजह है कि इस दिन लोग मां लक्ष्मी की पूजा करके जीवन में सुख-समृद्धि आने की कामना करते हैं, लेकिन इस साल दिवाली की सही तारीख को लेकर असंजस की स्थिति बनी हुई है।

पूजा का शुभ मुहूर्त

इस बार कार्तिक अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 1 नवंबर को शाम 6 बजकर 16 मिनट पर होगा। इस बार दिवाली पर पूजन के लिए शुभ मुहूर्त प्रदोष काल में है। इस दिन प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 मिनट से रात्रि 08 बजकर 11 मिनट के बीच रहेगा, जिसमें वृषभ काल शाम 6 बजकर 20 मिनट से लेकर रात 8 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। इसमें मां लक्ष्मी का पूजन शुभ माना जायेगा।

पूजन सामग्री

दिवाली की पूजा के लिए पूजा सामग्री में सबसे पहले मां लक्ष्मी और गणेश जी की प्रतिमा, रोली, कुमकुम, अक्षत (चावल), पान, सुपारी, नारियल, लौंग, इलायची, धूप, कपूर, अगरबत्तियां, मिट्टी के दीऐ, रूई, कलावा, शहद, दही, गंगाजल, गुड़, धनिया, फल, फूल, जौ, गेहूं, दूर्वा, चंदन, सिंदूर, पंचामृत, दूध, मेवे, बताशे, जनेऊ, श्वेत वस्त्र, इत्र, चौकी, कलश, कमल गट्टे की माला, शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का, बैठने का आसन, हवन कुंड, हवन सामग्री, आम के पत्ते और प्रसाद रखना जरुरी है।

दिवाली का धार्मिक महत्व

दिवाली की रात भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की नव स्थापित प्रतिमाओं की पूजा की जाती है। इस दिन लक्ष्मी-गणेश के अलावा कुबेर देवता और बही-खाता की पूजा करने की भी परंपरा है। मान्यता है कि दिवाली की रात पूजा करने से जीवन में धन-धान्य की कभी भी कमी नहीं होती है।

क्यों मनाई जाती है?

दिवाली के पर्व को हर साल अमावस्या की अंधेरी रात्रि में मनाया जाता है। इस दिन दीयों की रोशनी से पूरे घर को रोशन किया जाता है। इसलिए इस पर्व को अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माना गया है। साथ ही मान्यता है कि दिवाली के दिन ही प्रभु श्रीराम लंकापति रावण को हरा कर अयोध्या लौटे थे। 14 वर्ष का वनवास पूरा कर भगवान राम के लौटने की खुशी में अयोध्या वासियों ने पूरे अयोध्या को दीयों को रोशनी से सजा दिया था। तभी से पूरे देश में दिवाली मनाई जाती है।

लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति खरीदते समय रखें इनका ध्यान

दिवाली पर दौरान लक्ष्मी-गणेश की नई मूर्ति खरीदने का विधान है। हालांकि इनकी नई मूर्ति खरीदते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कहते हैं दिवाली के दिन मां लक्ष्मी-गणेश की पूजा करने से घर में सुख-संपदा बनी रहती है। इस दौरान मां लक्ष्मी और गणेश भगवान की नई मूर्तियां खरीदी जाती है। बाजार से लक्ष्मी मां और गणेश भगवान की मूर्ति खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरू है। गणेश की नई मूर्ति खरीदते समय उनकी सूंड बाई ओर हो ना की दाईं ओर। गणेश भगवान के साथ उनकी सवारी मूषक और उनकी प्रिय मिठाई मोदक भी जरूर हो। लक्ष्मी मां की नई मूर्ति खरीदते समय ध्यान रखें की मूर्ति ऐसी न खरीदें जिस पर वे उल्लू पर सवार हों। इसके अलावा मूर्ति खड़ी अवस्था में न हो। लक्ष्मी मां की नई मूर्ति ऐसी होनी चाहिए जिस पर वे कमल पर विराजमान हो। ऐसी मूर्ति सबसे शुभ मानी जाती है। कभी भी लक्ष्मी मां और भगवान गणेश की जुड़ी हुई मूर्ति न खरीदें। दोनों मूर्तियां अलग-अलग लें।

हंसना मना है

बच्चा- स्कूल में गधा लेकर आया, टीचर- इसे क्यों लाए हो, बच्चा- मैम आप ही तो कहती हो मैंने बड़े से बड़े गधे को इंसान बनाया है, मैंने सोचा इस बेचारे का भी भला हो जाएगा।

हिंदी टीचर- संता, काल कितने प्रकार के होते हैं ?-संता- तीन, टीचर- शाबाश, अब तीनों का एक-एक उदाहरण दो, संता- कल मैंने आपकी बेटी को देखा था, आज मैं उससे प्यार करता हूं और कल मैं उसे भगाकर ले जाऊंगा।

प्रेमिका- तुम इतने घबराए हुए क्यों हो? प्रेमी- मुझे एक व्यक्ति का धमकी भरा पत्र मिला है कि मैंने उसकी पत्नी से मिलना बंद नहीं किया तो वह मेरा खून कर देगा। प्रेमिका- तो तुम उसकी पत्नी से मिलना बंद कर दो। प्रेमी- पर धमकी भरा खत गुमनाम व्यक्ति ने लिखा है। मैं ये कैसे जान सकता हूं कि उसकी पत्नी कौन सी है?

प्रेमिका ने प्रेमी से कहा -अपनी शादी के लिए तुम मां से मिलकर देखो। प्रेमी- नहीं डियर! अब तुम्हारे सिवाय कोई दूसरी मेरे मन में नहीं बस सकती।

कहानी — चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराज अकबर से पूछते हैं, 'महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं, 'तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

7 अंतर खोजें

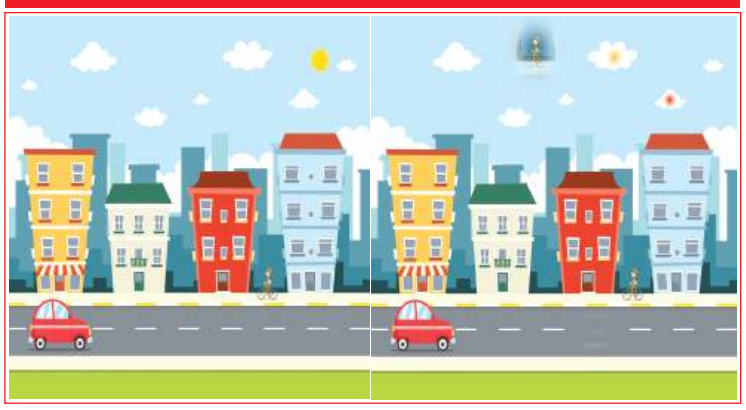

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृषभ — दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

मिथुन — प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क — दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे।

सिंह — अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा।

कन्या — आज अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। माता को पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

तुला — बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृश्चिक — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर — यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। हंसी-मजाक में हल्कापन न हो, ध्यान रखें।

कुम्भ — आज धनहानि की आशंका बन रही है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

मीन — स्थायी संपति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा।

पति पत्नी और वो-2 में कार्तिक आर्यन के साथ रोमांस फरमाएंगी श्रीलीला

पति पत्नी और वो 2 काफी चर्चा पैदा कर रहा है क्योंकि यह आने वाले महीनों में फ्लोर पर जाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर 2019 की हिट फिल्म से अपनी भूमिकाओं को फिर से निभाएंगे। अनन्या पांडे के फिल्म से बाहर होने के बाद प्रशंसक इस बात को लेकर उत्सुक थे कि वो की भूमिका कौन सी अभिनेत्री निभाएगी। वहीं, अब इस पर बड़ा अपडेट सामने आया है।

वो के लिए इस साउथ हसीना के नाम की चर्चा जोरों पर है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो साउथ अभिनेत्री श्रीलीला को बतौर दूसरी महिला प्रधान कास्ट करने को लेकर विचार किया जा रहा है। श्रीलीला अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए जानी जाती हैं और हाल ही में उन्होंने गुंटूर कारम में महेश बाबू के साथ अभिनय किया।

पहले, श्रीलीला को वरुण धवन और मृणाल ठाकुर के साथ डेविड धवन की फिल्म के कलाकारों में शामिल होने की उम्मीद थी। हालांकि, शेड्यूल संबंधी दिक्कतों के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा और उनकी जगह पूजा हेगड़े ने ले ली। इस झटके के बावजूद, श्रीलीला वर्तमान में इब्राहिम अली खान के साथ दिलेर पर काम कर रही हैं, जो एक और रोमांचक बॉलीवुड फिल्म है। मूल फिल्म पति पत्नी और वो अपनी प्रासंगिक कहानी और हास्य के लिए लोकप्रिय थी। एक छोटे शहर से ताल्लुक रखने वाले कार्तिक आर्यन ने पति का किरदार निभाया था वहीं उनकी पत्नी के रूप में भूमि पेडनेकर की मजबूत भूमिका इसकी सफलता की कुंजी थी। सीक्वल का लक्ष्य दर्शकों की रुचि बनाए रखने के लिए नयापन जोड़ते हुए उस आकर्षण को बरकरार रखना है। कार्तिक आर्यन ने सीक्वल के लिए वापसी को लेकर उत्साह दिखाया और स्क्रिप्ट की प्रशंसा की। निर्देशक मुदस्सर अजीज भी कहानी में नए विचार लाने के लिए वापस आ गए हैं। वह ढेर सारी हंसी और आकर्षक पलों का वादा करते हुए एक महिला के नजरिए से कहानी को मोड़ देने के लिए उत्सुक है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं एक नीरस अभिनेत्री नहीं बनना चाहती : मेहर विज

मेहर विज ने बजरंगी भाईजान और सीक्रेट सुपरस्टार में मां का किरदार निभा कर काफी तारीफें बटोरी थीं। हाल में ही उन्होंने मां के किरदार में टाइपकास्ट होने को लेकर बात की है। मेहर विज हिंदी फिल्मों की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई बेहतरीन भूमिकाएं निभाई हैं। हालांकि, साल 2015 में रिलीज हुई सलमान खान की बजरंगी भाईजान से उन्हें काफी लोकप्रियता मिली थी। इस फिल्म में उन्होंने मुन्नी के किरदार में नजर आईं हर्षाली मल्होत्रा की मां का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्हें मां के किरदार की कई भूमिकाएं मिलने लगीं। अब हाल में ही अभिनेत्री ने मां के किरदार में टाइपकास्ट होने को लेकर बात की है। बजरंगी भाईजान के बाद अभिनेत्री मेहर विज ने आमिर खान की सीक्रेट सुपरस्टार में भी मां का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्हें एक मां के रूप में ही टाइपकास्ट कर दिया गया। मेहर ने कहा कि वह महिलाओं को कमजोर भूमिकाओं में नहीं देखना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि सीक्रेट सुपरस्टार के बाद उन्हें मां की भूमिकाओं वाले कई प्रस्ताव मिले थे। इसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें कभी उस तरह की भूमिका नहीं मिली, जो वह फिल्मों में निभाना चाहती थीं। मेहर ने इस पर विस्तार से बताते हुए कहा कि वह एक नीरस अभिनेत्री नहीं बनना चाहतीं, जो हमेशा एक ही तरह के किरदार निभाती रहे। अभिनेत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि निर्माता उन्हें भूमिकाएं देते समय एक बॉक्स में डाल देते थे। मेहर ने उन भूमिकाओं को अस्वीकार करने के बारे में बताते हुए कहा, मैंने कहा, मैं यह नहीं करना चाहती। मैं यहां किसी खास तरह की भूमिका निभाने के लिए नहीं आई हूं। मैं खुद को मजबूत किरदारों में देखना चाहती हूं। यह एक व्यक्तिगत पसंद है कि मैं महिलाओं को कमजोर भूमिकाओं में नहीं देखना चाहती। इस बातचीत के दौरान उन्होंने बजरंगी भाईजान में अपनी भूमिका को लेकर कहा कि वो कमजोर किरदार नहीं था। इस दौरान उन्होंने याद किया कि कैसे उन्हें ये भूमिका मिली थी। मेहर ने बताया कि वह एक विज्ञापन की शूटिंग कर रही थीं, जब उन्हें कबीर खान के निर्देशन में बनने वाली फिल्म के लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का फोन आया। अभिनेत्री ने आगे बताया कि वह निर्माताओं से मिलने गई थीं और उनसे यह पुष्टि करने के लिए कहा गया था कि उनकी आंखों के नीचे का तिल असली है या नहीं, क्योंकि निर्देशक कबीर खान ने उनके तिल के बारे में पुष्टि करने के लिए पूछा था।

'राजाराम' के बाद अब 'अग्नि परीक्षा' में खेसारी के साथ जोड़ी जमा रही हैं आकांक्षा

भोजपुरी | मसाला

टीवी जगत में अच्छा-खासा नाम कमाने के बाद आकांक्षा पुरी अब भोजपुरी इंडस्ट्री में किस्मत आजमा रही हैं। वे खेसारी लाल यादव के साथ फिल्म राजाराम में नजर आएंगे। फिल्म के चुम्मा चुम्मा गाने में अपनी केमिस्ट्री दोनों कलाकार दर्शकों का दिल जीत चुके हैं। इसके बाद आकांक्षा खेसारी की एक और फिल्म में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग शुरू कर दी है।

आकांक्षा पुरी एक्टर खेसारी लाल यादव की अगली एक्शन फिल्म अग्नि परीक्षा में नजर आएंगी। उन्होंने इसकी शूटिंग शुरू कर दी है और आज सेट से फैंस के साथ कुछ झलकियां भी साझा की हैं। आकांक्षा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैंस के साथ अपडेट साझा किया है। फिल्म का मुहूर्त हाल ही में पूरा हुआ, जिसमें भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की कई जाने-माने सितारे शामिल हुए। फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो चुकी है।

आकांक्षा पुरी हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और अब वे भोजपुरी सिनेमा में किस्मत आजमा रही हैं। हाल ही में साझा की गई तस्वीरों में आकांक्षा भोजपुरी स्टार खेसारी लाल यादव के साथ नजर आ रही है। फिल्म में खेसारी के साथ आकांक्षा पुरी और नीलम गिरी मुख्य किरदारों में नजर आएंगी। इसमें रोमांस, इमोशंस और एक्शन का जबर्दस्त डोज होगा। फिल्म में खेसारी, आकांक्षा पुरी और नीलम गिरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा फिल्म में सुशील सिंह, प्रकाश जैश, विनोद मिश्रा, जे. नीलम, समर्थ चतुर्वेदी, महेश आचार्य, ऋतु चौहान, सोनिया मिश्रा सहित कई और सितारे भी हैं। बात करें फिल्म राजाराम की तो हाल ही में इसका ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें खेसारी राजा नाम के किरदार में है, जो भगवान श्रीराम की भूमिका अदा करता है और लोग उसे पूजने लगते हैं।

क्या आप जानते हैं, जींस की जेब पर तांबे के बटन क्यों लगाए जाते हैं? शायद ही पता होगा कारण!

आजकल जीन्स पहनना काफी कॉमन हो गया है। बच्चे, जवान और यहां तक के बूढ़े लोग भी जीन्स पहनते हैं। जीन्स के अलग-अलग डिजाइन अब मार्केट में आते हैं। बेलबॉटम, नैरो, स्ट्रेट, रिप्ड, फेडेड आदि जैसे जीन्स की बहुत डिमांड है। इन तमाम जीन्सों में एक चीज कॉमन है। वो ये कि इनके जेब में तांबे के बटन लगे रहते हैं। क्या आप जानते हैं कि आखिर ये बटन क्यों लगते हैं? शायद ही किसी को इसका सही जवाब पता होगा! जीन्स सबसे पहले बनाने का श्रेय जेकब डेविस को जाता है। 19वीं सदी में डेविस ने किसानों के लिए जीन्स बनाई थी। दरअसल, किसानी में मजदूरी करने वाले लोगों का काम इतना कठिन होता था, कि अक्सर काम करते वक्त उनके कपड़े फट जाते थे, उसमें चीर-फाड़ हो जाती थी। इससे बचने के लिए उन्होंने ऐसे कपड़े से जीन्स बनाई, जो जल्द नहीं फटता था। ये डेनिम से बना कपड़ा होता था। उन्होंने इस पैंट में ज्यादा जेबें बनाने के बारे में सोचा। पैंट पर जोर पड़ने से ही वो फटती थी, तो उन्होंने जेबें उन जगहों पर लगाईं जहां ज्यादा जोर पड़ता था और उन्हें जोड़े रखने के लिए वहां पर तांबे के रिवेट यानी बटन लगा दिए। तांबे के रिवेट्स के उपयोग के पीछे कई कारण थे। पहला कारण था स्थिरता। तांबा बहुत मजबूत मेटल है। इस वजह से तांबे के रिवेट्स वाली जीन्स अधिक टिकाऊ होती हैं। इसके अलावा, कपड़े के अलग-अलग हिस्सों को मजबूत करने के लिए रिवेट्स का प्रयोग किया जाता था। इससे कपड़े आसानी से नहीं फटते थे। तांबे के रिवेट्स न केवल कपड़ों को मजबूत बनाते थे बल्कि उन्हें आकर्षक लुक भी देते थे। ये रिवेट्स जींस को इंडस्ट्रियल और रग्ड लुक देते थे।

अजब-गजब | यहां जीवित रूप में विराजमान हैं हनुमान जी

इटावा के इस मंदिर में हनुमान जी के मुंह से सुनाई देती है राम नाम की ध्वनि

हिन्दू धर्मग्रंथों के अनुसार, हनुमानजी आज भी धरती पर आज्ञात रूप में वास करते हैं। ऐसा कहा जाता है कि पवनपुत्र को अमरता का वरदान प्राप्त है। ऐसे में हनुमानजी के कई ऐसे मंदिर हैं, जिनमें चमत्कार देखने को मिलते हैं। हनुमानजी का ऐसा ही एक चमत्कारिक मंदिर उत्तर प्रदेश के इटावा में भी है। ऐसा माना जाता है कि यहां हनुमानजी जीवित रूप में विराजमान हैं। यहां भक्त खुद अपनी आंखों से बजरंगबली को चमत्कार करते देखते हैं। इस मंदिर को पिलुआ महावीर मंदिर के नाम से जाना जाता है।

यह मंदिर इटावा शहर से लगभग 12 किमी दूर यमुना किनारे गांव रूरा में स्थित इस हनुमान मंदिर में दूर-दूर से भक्त पूजा अर्चना करने आते हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस मंदिर में ध्यानमग्न होकर बैठने पर हनुमानजी की सांसों की आवाज सुनाई देती है। साथ ही राम नाम की ध्वनी भी निकलती है। इस मंदिर के मुख्य मंहत का कहना है कि वैसे तो हनुमान जी की लेटी हुई मूर्ति इलाहबाद में भी है, लेकिन जैसी मूर्ति यहां पर है ऐसी दूसरी मूर्ति देश और दुनिया के किसी भी दूसरे हिस्से में नहीं है।

हनुमान जी की इस प्रतिमा के मुख में हर वक्त पानी भरा रहता है। हनुमानजी की इस मूर्ति के मुंह में कितना भी प्रसाद डालो पूरा प्रसाद मुंह में समा जाता है। आज तक किसी को पता नहीं चला कि यह प्रसाद जाता कहां हैं। यहां महाबली हनुमान जी की प्रतिमा लेटी हुई है और लोगों की मानें तो ये मूर्ति सांस भी लेती है और भक्तों के प्रसाद भी खाती है।

ऐसा माना जाता है कि यहां हनुमानजी जीवित रूप में विराजमान हैं। बीहड़ में स्थापति हनुमान मंदिर की मूर्ति अपने आप में कई चमत्कार समेटे हुए है। हनुमान भक्तों का दावा है कि हनुमान जी इस मंदिर में जीवित अवस्था में है तभी एकांत में सुनने पर प्रतिमा से सांसें चलने की आवाज सुनाई देती है। साथ ही बताया जाता है कि हनुमान जी के मुख से राम नाम की ध्वनि भी सुनाई देती है।

ट्रेनों में हो रही भारी भीड़ को लेकर राहुल गांधी ने जताई चिंता, कहा-

यात्रियों की कोई सुनने वाला नहीं

» दिवाली और छठ पूजा के चलते लाखों यात्रियों को हो रही भारी दिक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिवाली और छठ पूजा के लिए घर जाने की कोशिश कर रहे लाखों यात्रियों को रेलवे स्टेशनों पर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। 27 अक्तूबर को मुंबई के बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 9 लोग घायल हो गए हैं। रविवार तड़के हुई इस भगदड़ में दो लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। जिसके बाद कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दिवाली के समय रेल यात्रा में बहुत सारे लोगों को पेश आ रही दिक्कतों का हवाला देते हुए मंगलवार को दावा किया कि रेलवे व्यवस्था टूट रही है और यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस समय कोई लोगों की सुनने वाला नहीं है। राहुल गांधी ने एक वीडियो साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, इस दिवाली पर करोड़ों भारतीय अपने परिवार से मिलने रेल से यात्रा करेंगे। दैनिक यात्री हो या पर्यटक, शहरी हो या ग्रामीण, श्रमिक हो या उद्योगपति – रेलवे हर भारतीय की ज़िंदगी का एक बड़ा हिस्सा या आधार है। अगर हमारी ट्रेनें रुक जाएं, तो भारत थम जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को ऐसी बेहतरीन रेल सुविधा चाहिए जो सभी लोगों के लिए हो।

यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने में सरकार असमर्थ

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, आज बालासोर से बांद्रा तक, हमारी रेलवे व्यवस्था टूट रही है और यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ है। इस समय, जब लोगों की बात सुनी जानी चाहिए तब कोई सुनने वाला नहीं है। उन्होंने कहा, एक बेहतर भारत बनाने के लिए मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप अपनी आवाज उठाएं। यदि आपको रेल व्यवस्था में कोई कमी दिखती है, या आपके पास सुधार के लिए कोई सुझाव है, तो कृपया अपने अनुभव हमारे साथ साझा करें। आइए हम सब मिलकर अपने सपनों का भारत बनाएं।

पुलिस रक्षक के बजाय हो गई हत्यारी : अजय

» राजधानी में लॉकअप में मौत पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- अब भाजपा का हटना तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में चार दिन पहले पुलिस हिरासत में हुई मोहित पांडेय की मौत का मामला राजनीतिक रंग ले रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हिरासत में मौत का सिलसिला जारी है। अलग-अलग जिलों में हुए घटनाक्रम के बाद अब राजधानी में हिरासत में मौत हुई है।

कहा कि इस घटना ने साबित कर दिया कि पुलिस रक्षक के बजाय हत्यारी हो गई है। हिरासत में हुई मौत के मामले की मुख्यमंत्री जिम्मेदारी लें और पद से इस्तीफा दें। वह चिनहट में मोहित पांडेय के परिजनों से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। अजय राय मोहित पांडेय के परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और आश्वासन दिया कि कांग्रेस हर वक्त उनके सहयोग के लिए तत्पर रहेगी। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 15 दिन में राजधानी में हिरासत में मौत का यह दूसरा मामला है। इससे पहले विकासनगर के अमन गौतम की हिरासत में मौत हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां हर तरफ दीपावली की खुशियां मनाई जा रही है, वहीं पुलिस ने इस घर में अंधेरा कर दिया है। संवेदनहीनता इतनी की अमन के घर सरकार का कोई नुमाइंदा नहीं पहुंचा। राय ने कहा कि यह सरकार लोगों को राहत देने का दावा करके उनकी मुसीबतें बढ़ा रही है।

धनतेरस पर राजधानी के बाजारों में बरसे पांच हजार करोड़ रुपये

» सोने-चांदी के प्रति दीवानगी बरकरार, पिछले वर्ष से 800 करोड़ अधिक के बिके आभूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में धनतेरस पर लखनवियों ने जमकर खरीदारी की। चाहे पुराने शहर के बाजार हों या फिर नए शहर के, सब देर रात तक गुलजार रहे। हजरतगंज, अमीनाबाद, चौक, आलमबाग, गोमतीनगर, महानगर, यहियागंज समेत सभी बाजारों में भीड़ नजर आई। कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक इस बार धनतेरस पर करीब 5000 करोड़ रुपये बाजार में आए।

हर धनतेरस की तरह सोने-चांदी के प्रति दीवानगी इस बार भी नजर आई। लखनवियों ने 40 फीसदी तक ज्यादा खर्च किए। इतनी उछाल के पीछे इन धातुओं की बढ़ी कीमतें भी रहीं। लखनऊ सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष व यूपी सराफा एसोसिएशन के महामंत्री रविंद्रनाथ रस्तोगी का अनुमान है कि इस बार जिले भर में करीब 2000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। पिछले साल धनतेरस पर करीब 1200 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था। हालांकि आभूषणों के बजाय इस बार बुलियन गोल्ड व सिल्वर (सिक्के, बिस्किट आदि) की खरीदारी ज्यादा रही। ऑटोमोबाइल सेक्टर की बात करें तो इस बार शहरवासी वाहनों पर फिदा नजर आए। करीब 600 करोड़ रुपये कारों और बाइकों पर खर्च कर दिए। शोरूम संचालकों के मुताबिक 12000 से ज्यादा दोपहिया वाहन बिके। शहर के 28 शोरूमों से करीब 3000 कारों की बिक्री हुई।

मोदी का रोड शो महाराष्ट्र के घावों पर नमक छिड़कने जैसा: आदित्य ठाकरे

» कहा- टाटा-एयरबस परियोजना नागपुर के मिहान में आनी थी, लेकिन भाजपा ने इसे गुजरात में करा दिया शिफ्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। वडोदरा में पीएम मोदी ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड में सी-295 विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज ने वडोदरा हवाईअड्डे से टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स तक 2.5 किलोमीटर लंबा रोड शो भी किया था। जिसे लेकर शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि टाटा-एयरबस परियोजना नागपुर के मिहान में आनी थी, लेकिन भाजपा और राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार ने इसे गुजरात में शिफ्ट करा दिया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने फैसला किया है कि वह महाराष्ट्र में एक भी परियोजना नहीं लाएगी चाहे वह उन्हें वोट दे या नहीं। भाजपा को राष्ट्रीय भगवा पार्टी बताते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि उसे यह महसूस करना चाहिए था कि विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इस तरह के भव्य रोड शो से महाराष्ट्र, खासकर उसके युवाओं को नुकसान होगा, लेकिन भाजपा को इसकी परवाह नहीं है कि राज्य के युवा क्या सोचते हैं। यह रोड शो महाराष्ट्र के घावों पर नमक छिड़कने जैसा है। गौरतलब है कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने आरोप लगाया है कि यह परियोजना पहले पूर्वी महाराष्ट्र के नागपुर में शुरू की जानी थी, लेकिन 2022 में जब शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार आई तो उसने इस परियोजना को गुजरात में स्थानांतरित करने की अनुमति दे दी। इतना ही नहीं एमवीए ने यह भी आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र में आने वाली कई बड़ी परियोजनाओं के लिए अन्य राज्यों, खासकर भाजपा शासित गुजरात को चुना गया है।

एकनाथ शिंदे और भाजपा कर रहे मुंबई लूटने का काम

वर्ली विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना के उम्मीदवार आदित्य ठाकरे ने राज्य के सीएम एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे और भाजपा मुंबई लूटने का काम कर रहे हैं। मुंबई की आर्थिक ताकत मुंबई की साधारण जनता है। हम चाहते थे और हम इस पर काम भी कर रहे थे कि मुंबई में 2027 तक 10,000 इलेक्ट्रिक बसें आएं। यह मुंबई की ताकत है हालांकि यही ताकत (महायुति सरकार) तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत ने न्यूजीलैंड से जीती 2-1 से वनडे सीरीज

» मंधाना ने जड़ा शतक हरमनप्रीत 70 रन बनाकर रहीं नाबाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। भारतीय महिला टीम ने न्यूजीलैंड को तीसरे वनडे में छह विकेट से हराकर 2-1 से सीरीज पर कब्जा जमा लिया। निर्णायक मुकाबले में स्मृति मंधाना ने शतक लगाया। वहीं, टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर 70 रन बनाकर नाबाद रहीं। बता दें कि, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने ब्रूक हैलीडे की 86 रनों की पारी की बदौलत 49.5 ओवर में 232 रन बनाए।

महिला टीम ने तीसरे मैच में 6 विकेट से हराया

जवाब में भारत ने 44.2 ओवर में चार विकेट पर 236 रन बनाए और तीसरा वनडे जीत लिया। इससे पहले टीम इंडिया ने पहला मुकाबला 59 रन से जीता था जबकि मेहमानों ने दूसरे वनडे में भारत को 76 रनों से मात दी थी। इस मुकाबले में स्मृति मंधाना का तूफान आया। उन्होंने अपने वनडे करियर का आठवां शतक जड़ा। इस दौरान उन्हें यास्तिका भाटिया और हरमनप्रीत कौर का भरपूर साथ मिला। इस सीरीज के पहले मैच में उन्होंने पांच रन बनाए और दूसरे मुकाबले में खाता खोले बिना पवेलियन लौटी थीं। हालांकि, तीसरे वनडे में उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और अपनी पारी के दौरान 10 चौके लगाए।

हरमनप्रीत और मंधाना ने सुनिश्चित की भारत की जीत

मंधाना और हरमनप्रीत ने 34वें ओवर में जोनास के खिलाफ चौके लगाए जिससे मैच में पहली बार भारतीय टीम की रनगति पांच रन प्रति ओवर के ऊपर पहुंची। दोनों ने 37वें ओवर में डिवाइन के खिलाफ भी आक्रामक तेवर दिखाते हुए तीन चौके जड़े। हरमनप्रीत ने हान्ना के खिलाफ एक रन के साथ वनडे करियर का 18वां अर्धशतक पूरा किया। मंधाना ने कार्सन के खिलाफ एक रन चुराकर 121 गेंद में अपना शतक पूरा किया। वह हालांकि अगले ओवर में ही हान्ना की गेंद पर बोल्ड हो गईं। भारतीय कप्तान ने 46वें ओवर में डिवाइन की गेंद पर चौके के साथ टीम की जीत पर मुहर लगा दी।

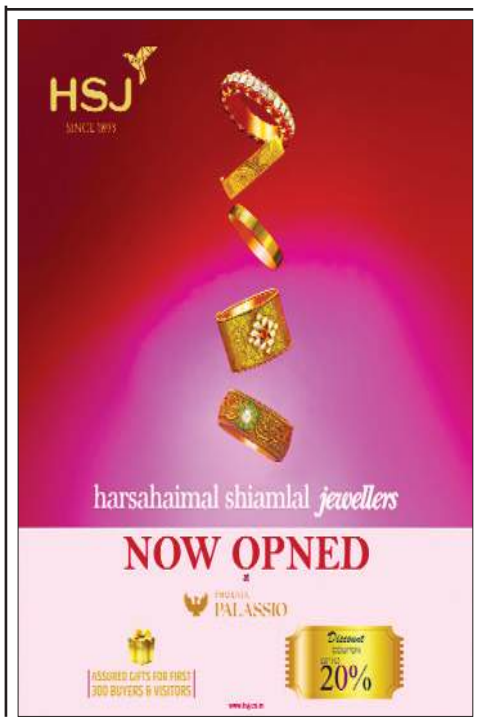

शाह कर रहे हैं आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन : टीएमसी

» तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने ईसीआई को पत्र लिखकर की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को पत्र लिखकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन का आरोप लगाया। पत्र में टीएमसी ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि मंत्रियों को अपने आधिकारिक दौरे और चुनाव प्रचार कार्य को एक साथ करना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के हित को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव प्रचार कार्य के दौरान सरकारी मशीनरी या निजी मशीनरी का उपयोग नहीं करना चाहिए।

पत्र में कहा गया है, निर्देशों का दायरा उत्तर 24 परगना के अंतर्गत आने वाले हरोआ और नैहाटी निर्वाचन क्षेत्रों के प्रशासनिक जिलों को कवर करता है, इसके बावजूद अमित शाह ने 27 अक्टूबर को उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल में एक आधिकारिक कार्यक्रम में राजनीतिक टिप्पणी की।

पत्र में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने दावा किया कि पेट्रापोल कार्यक्रम में आधिकारिक संबोधन के दौरान अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बदनाम करने के इरादे से उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। पत्र में कहा गया है कि साल 2026 में परिवर्तन का आह्वान करने वाली राजनीतिक रूप से आरोपित टिप्पणियां किसी भी तरह से उक्त घटना से जुड़ी नहीं थीं। इससे आधिकारिक कार्यक्रमों और चुनाव प्रचार कार्य के बीच रेखा बनाए रखने के केंद्रीय गृह मंत्री के इरादे पर गंभीर संदेह पैदा होता है।

तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के मुताबिक यह आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने चुनाव आयोग से अमित शाह को कारण बताओ नोटिस जारी करने, संबंधित पक्षों तथा उन्हें और अन्य भाजपा नेताओं को उपचुनावों से पहले आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न करने के लिए उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 27 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि प्रदेश में राज्य प्रायोजित घुसपैठ और महिलाओं के खिलाफ अपराध तभी रुकेंगे जब 2026 के विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सत्ता में आएगी।

एक नवंबर को प्रदेश में घोषित हुआ सार्वजनिक अवकाश

» पहले खुले थे दफ्तर और माध्यमिक स्कूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

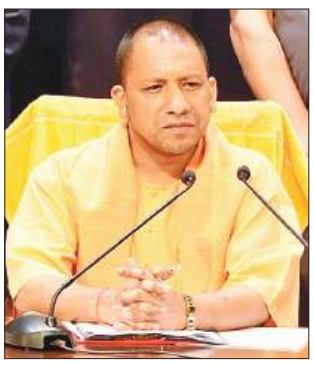

लखनऊ। यूपी में एक नवंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। दिवाली 31 अक्तूबर को है। पहले इस दिन सरकारी कार्यालय खुले हुए थे। आज सरकार ने इसकी घोषणा की है। इस घोषणा के बाद प्रदेश सरकार के विभिन्न कार्यालय और माध्यमिक स्कूल एक नवंबर को बंद हो जाएंगे। सरकार के इस फैसले से सरकारी कर्मचारियों को एक तरह से दिवाली का तोहफा मिला है।

प्रदेश में एक तरफ जहां बेसिक विद्यालयों में 30 अक्तूबर से तीन नवंबर तक नरक चर्तुदशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैया दूज आदि की छुट्टियां हैं। वहीं माध्यमिक विद्यालयों में 30-31 अक्तूबर को ही छुट्टी है। एक नवंबर शुक्रवार को विद्यालय खुलेंगे और दो को फिर गोवर्धन पूजा की छुट्टी है। इसे लेकर शिक्षकों में नाराजगी है तो छात्र और अभिभावक भी परेशान हैं।

दरअसल, 30 अक्तूबर से तीन नवंबर तक लगातार त्योहार पड़ रहे हैं। इसकी वजह से न सिर्फ बेसिक बल्कि कई विश्वविद्यालयों ने भी 30 अक्तूबर से तीन नवंबर तक छुट्टी घोषित कर रखी है। किंतु एक नवंबर को माध्यमिक विद्यालय खुले हैं। हालांकि इस दिन कार्तिक अमावस्या पड़ रही है। शिक्षकों व अभिभावकों को कहना है कि बीच में एक दिन स्कूल खुलने से बाहर जाने वाले लोग दीपावली पर भी अपने घर नहीं जा पाएंगे। सरकार के इस आदेश के बाद माध्यमिक स्कूलों के साथ-साथ प्रदेश सरकार के कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

ओवैसी की पार्टी महाराष्ट्र में लड़ेगी 14 सीटों पर चुनाव

» औरंगाबाद पूर्व से इम्तियाज जलील को मिला टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में एक ही चरण में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। इसको लेकर राज्य में चुनावी सरगर्मियां जोरों पर हैं। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन राज्य में 14 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने राज्य में नामांकन के आखिरी दिन 29 अक्टूबर को इसकी घोषणा की।

एआईएमआईएम पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने ऑफिशियल हैंडल पर पार्टी की तरफ से पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। पोस्ट के मुताबिक पार्टी ने औरंगाबाद पूर्व सीट से सैयद इम्तियाज जलील को, औरंगाबाद सेंट्रल से नासिर सिद्दीकी को, धुले सीट से फारूक शाह अनवर को, मालेगांव सेंट्रल से मुफ्ती इस्माइल कासमी को, भिवाड़ी वेस्ट सीट से वारिस पठान को, भायखला सीट से फैयाज अहमद खान को, मुंब्रा कलवा सीट से सैफ पठान को, वर्सोवा सीट से रईस लश्करिया को, सोलापुर सीट से फारूक शबदी को, मिराज से महेश कांबले, मुर्तिजापुर सीट से सम्राट सुरवाडे को, नांदेड़ दक्षिण सीट से सैयद मोइन को, कुर्ला सीट से बबीता कनाडे, करंजा मनोरा सीट से मोहम्मद यूसुफ तो प्रत्याशी बनाया है।

मुख्यमंत्री योगी का नारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' का समाजवादी पार्टी ने किया पलटवार

न कटेंगे न बटेंगे, पीडीए संग रहेंगे

» महराजगंज जिला के सपा नेता अमित चौबे ने सपा कार्यालय के बाहर लगाया है पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर सीएम योगी के नारे का पलटवार करते हुए पोस्टर लगाए गए हैं। इस पोस्टर के जरिये सपा की ओर से सीएम योगी को जवाब दिया गया है। इसमें लिखा है- न कटेंगे, न बटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे। इससे पहले सपा कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाया गया था, जिसमें अखिलेश यादव को सत्ताईस के सत्ताधीश बताया गया था।

सपा कार्यालय के बाहर जो पोस्टर लगाया गया है, इसे महराजगंज जिला के सपा नेता अमित चौबे ने लगाया है। इस पोस्टर में अखिलेश यादव को सत्ताईस का सत्ताधीश बताते हुए लिखा है- न बटेंगे, न कटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे। बता दें कि सीएम योगी लगातार अपनी सभाओं में नारा देते रहे हैं- कटेंगे तो बटेंगे। सपा नेता अमित चौबे जिले की फरेंदा सीट से सपा की टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं। इस पोस्टर के जरिए सीएम योगी के नारे का पलटवार करते हुए मैसेज देने की कोशिश की गई है कि पीडीए वोटबैंक लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी एकजुट रहेगा और वो समाजवादी पार्टी को सपोर्ट करेगा।

सपा-भाजपा कार्यालय के बाहर लगाए गए थे पोस्टर

इससे पहले निषाद पार्टी ने सपा-भाजपा और सीएम आवास समेत लखनऊ में कई जगहों पर पोस्टर लगाए थे, जिसमें लिखा था- सत्ताईस का नारा, निषाद है सहारा। इस पोस्टर को निषाद पार्टी के नेता बिजेंद्र कुमार त्रिपाठी द्वारा लगवाया गया था। इस पोस्टर के जरिए निषाद पार्टी की ओर से निषाद वोट बैंक की ताकत दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले निषाद पार्टी की ओर से एक और पोस्टर लगाया था, जिसमें उन्हें सत्ताईस का खेवनहार बताया गया था।

नवाब मलिक ने भाजपा के खिलाफ भरी हुंकार

» एनसीपी नेता ने कहा- भाजपा उन्हें सपोर्ट करे या न करे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में नवाब मलिक को लेकर अब महायुति में खटपट होने लगी है। अजित पवार के दांव से भाजपा और शिंदे गुट वाली शिवसेना असहज नजर आ रही है। भाजपा तो खुलकर कह चुकी है कि वह नवाब मलिका का किसी भी कीमत पर न तो समर्थन करेगी और न प्रचार।

भाजपा शुरू से नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध करती रही है। मगर अजित पवार ने भाजपा की नाराजगी को दरकिनार कर दिया। ऐन वक्त पर अजित पवार की एनसीपी ने मानखुर्द-शिवाजी नगर सीट से नवाब मलिक को चुनावी मैदान में उतार दिया। टिकट मिलने के बाद अब नवाब मलिक ने भाजपा के खिलाफ हुंकार भरी है। उन्होंने साफ कह दिया है कि भाजपा उन्हें सपोर्ट करे या न करे, उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता।

दरअसल, अजित गुट वाली एनसीपी से टिकट मिलने के बाद नवाब मलिक महायुति कैंडिडेट हो गए हैं। नवाब मलिक ने टिकट मिलने के बाद पहली बार पूरे मुद्दे पर खुल कर बात की है। न्यूज18 इंडिया से बातचीत में नवाब मलिक ने कहा, 'मैं चार महीने से चुनाव की तैयारी कर रहा हूं, यह सबको पता था कि मैं चुनाव लड़ रहा हूं। अजीत दादा मेरे साथ थे, और उन्होंने मुझ पर भरोसा दिखाया और 2 विधान सभा की सीट दी। मुझे और मेरी बेटी सना मलिक को। और हम दोनों यह सीट जीत कर आ रहे हैं।

'हमारे मतभेद आगे भी रहेंगे'

भाजपा की नाराजगी पर नवाब मलिक ने कहा कि बीजेपी और हमारे बीच शुरू से ही मतभेद रहे हैं और आगे भी रहेंगे। हम दोनों के वैचारिक मुद्दे अलग हैं। वो हमारे मुद्दों के साथ नहीं हैं। मुझे अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के साथ जोड़ा जा रहा है। 65 साल से मुंबई में हूं और राजनीति में हूं। वो लोग मुझे दाऊद के साथ कैसे जोड़ रहे हैं?' बता दें कि भाजपा इसी बात को लेकर विरोध करती रही है कि नवाब मलिक का कनेक्शन अंडरवर्ल्ड से है।

'जनता मुझे और मेरी बेटी को जितायेगी'

नवाब मलिक ने साफ कह दिया है कि बीजेपी सपोर्ट करे या न करे, मेरे लिए प्रचार न करे, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। जनता मुझे और मेरी बेटी की जिताने वाली है। बता दें कि अजित पवार ने मानखुर्द-शिवाजी नगर से नवाब मलिक को टिकट दिया है। वहीं, उनकी बेटी सना मलिक को अणुशक्ति नगर से चुनावी मैदान में उतारा है। भाजपा नहीं चाहती थी कि अणुशक्ति नगर से नवाब मलिक को अजित पवार टिकट दें, इसलिए इस सीट पर एनसीपी ने सना मलिक को उतारा। नवाब मलिक की उम्मीदवारी पर आखिरी वक्त तक सस्पेंस था। नवाब मलिक ने तो निर्दलीय के तौर पर नामांकन भरा था। मगर आखिरी वक्त में अजित पवार ने एबी फॉर्म देकर अपना उम्मीदवार बनाया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।